ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 16 अंक-15 नवम्बर-I, 2015 पाक्षिक माउण्ट आबू ₹8.00

मानसिक सरहदों को शांति व सद्भाव से सींचें:दादी

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान सम्बोधित करते हुए राजयोगिनी दादी जानकी। साथ हैं राज्यमंत्री ओटाराम देवासी, इंद्रेश कुमार, राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, ब्र.कु. निर्वैर व अन्य। आध्यात्मिक गीतों पर सुंदर प्रस्तुति देते हुए कलाकार।

शांतिवन। जाति, पाति और धर्म के सरहद से एकता प्रभावित होती है। जबकि मनुष्य की हकीकत कुछ और है, हम सब एक ईश्वर की संतान हैं और रहेंगे। इसलिए मज़हबी दीवारों से ऊपर उठना चाहिए। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि हम एक स्वस्थ समाज अथवा भारत का निर्माण तभी कर पायेंगे जब स्वच्छता हमारी सोच में भी होगी। इससे मनुष्य जाति धर्म से ऊपर उठ जायेगा और सद्भावना का माहौल बनेगा। यहां से जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को जीवन में राजयोग के ज़रिये अध्यात्म को अपनाना होगा।

- **मज़हबी दीवारों को तोड़ो, उसे शांति से जोड़ो : दादी**
- **सभी की भागीदारी से भारत का पुन:निमार्ण संभव: देवासी**
- **सकारात्मकता की अनूठी पहल भारत से ही : ब्र.कु. निर्वैर**
- **संस्कार व बेहतर संसार केवल राजयोग से आयेगा:इन्द्रेश कुमार**

राजस्थान के पशुपालन एवं देवस्थान राज्यमंत्री ओटाराम देवासी ने कहा कि स्वच्छ भारत के लिए सबकी भागीदारी ज़रूरी है। क्योंकि बिना सबके सहयोग के कोई भी कार्य नहीं किया जा सकता है। भौतिक, आर्थिक या राजनीतिक विकास सभी के लिए एकता और सद्भावना की आवश्यकता है। आज सरकार नई-नई योजनायें बना रही है परन्तु उसका सही इम्प्लीमेंटेशन ना होने से इसका लाभ आम जन को नहीं मिल पाता है।

राष्ट्रीय स्वयं संघ के राष्ट्रीय नेता इंद्रेश कुमार ने कहा कि राजयोग भारत की प्राचीन पद्धति है, इससे संस्कार और बेहतर संसार दोनों की रचना होती है। पृथ्वी, जल, वायु सब दूषित हो रहा है। संस्कृति भी दूषित हो रही है जो ज़्यादा चिंताजनक है। हमारे देश में दुर्भावना और जाति पाति की कोई परंपरा नहीं है। सभी को सभी धर्मों, जातियों का सम्मान करना चाहिए। एक-दूसरे पर दुर्भावना के वश बात नहीं करनी चाहिए। डॉ. के. सम्बा शिवा राव ने कहा कि यहां की व्यवस्था देखने के बाद पता चलता है कि जीवन में मूल्यों का कितना स्थान है। अन्नामलाई विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस. मेमन ने कहा कि मूल्यों पर आधारित शिक्षा अब विश्वविद्यालयों में भी चलाई जा रही है जो सराहनीय है।

कार्यक्रम में संस्था के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर ने सभी का स्वागत करते हुए पूरे भारत में सकारात्मक माहौल बनाने की अपील की। कार्यक्रम में ब्र.कु. मृत्युंजय, ब्र.कु. मोहिनी, ब्र.कु. मुन्नी समेत कई लोगों ने भी विचार व्यक्त किये। इससे पूर्व गुब्बारे उड़ाकर सम्मेलन का आगाज़ किया गया।

शाश्वत यौगिक एवं जैविक खेती का सार्वभौमिक शंखनाद

भरतपुर। प्रकृति का अत्यधिक दोहन करने के फलस्वरूप धरती की उर्वरा शक्ति तथा जल की उपलब्धता व महंगे रासायनिक उर्वरकों एवं सिंचाई के साधनों का प्रयोग करने के बाद भी आज किसान अत्यधिक हतास और निराश हो जाता है। साथ ही साथ अन्न की पौष्टिकता भी प्रभावित हो रही है। इसमें शाश्वत यौगिक एवं जैविक खेती एक मील का पत्थर साबित होगी। उक्त विचार जिला कलेक्टर रवि जैन ने नगर सुधार न्यास ऑडिटोरियम में आयोजित अखिल भारतीय किसान सशक्तिकरण अभियान के महासम्मेलन में व्यक्त किये। इस अवसर पर राजयोगिनी ब्र.कु. विमला,प्रभारी,आगरा ज़ोन ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि जब भारत का प्रत्येक किसान अपनी आत्मा की धरनी में शुभ संकल्पों के बीज बोते हुए श्रेष्ठ कर्मों की खेती करेगा तब ही उसके खेत खलिहान और गांव खुशहाल बनेंगे।

- **भिन्न-भिन्न गांवों एवं कस्बों में यौगिक एवं जैविक खेती के अभियान का संदेश ।**
- **भरतपुर पहुंचने पर हुआ किसान महासम्मेलन का आयोजन।**
- **यौगिक खेती रासायनिक खेती एवं जैविक खेती की तुलना में अधिक लाभदायक सिद्ध हुई - ब्र.कु. प्रहलाद**
- **कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. अमर सिंह ने किसानों को केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं से कराया अवगत।**
- **-राष्ट्रीय कृषि एवं ग्राम विकास में बैंक(नाबार्ड) की भूमिका अहम-संभागीय प्रभारी अभय कुमार**

किसान सशक्तिकरण अभियान के महासम्मेलन में दीप प्रज्वलित करते हुए रवि जैन, ब्र.कु. विमला, डॉ. धीरज सिंह, ब्र.कु. राजेन्द्र, ब्र.कु. मोना, ब्र.कु. प्रहलाद, डॉ. योगेन्द्र सिंह, शिव सिंह भौंट, ब्र.कु. सीताराम मीणा व अन्य।

अनुसंधान निदेशालय के निदेशक डॉ धीरज सिंह ने कहा कि किसी भी कार्य की सफलता व्यवस्था पर निर्भर करती है, यही बात खेती पर भी लागू होती है।

प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. राजेन्द्र ने कहा कि संकल्प शक्ति सबसे महान शक्ति है, जिसके प्रयोग से बिना कौड़ी खर्चा किए खेतों की उर्वरकता एवं अन्न की पौष्टिकता को बढ़ाया जा सकता है। अभियान के लीडर ब्र.कु. मोना ने `समय की यही पुकार' कविता प्रस्तुत करते हुए कहा कि यौगिक खेती के लिए कुछ भी खर्चे की आवश्यकता नहीं है, केवल संकल्पों की पूंजी ही लगानी पड़ती है।

देवड़ावास स्थित यौगिक खेती फार्म के प्रभारी ब्र.कु. प्रहलाद ने बताया कि उक्त फार्म में किये गये प्रयोगों से यौगिक खेती

- शेष पेज 11 पर